>

Title: Need to accord approval to all the pending irrigation projects in Gadchiroli district, Maharashtra.

श्री मारोतराव सैनुजी कोवासे (गडचिरोली-चिमूर): महाराष्ट्र राज्य का गड़चिरोली-चिमूर संसदीय क्षेत्र एक आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है। इस क्षेत्र के गड़चिरोली जिले की तालुका आरमोरी की कोसरी ल0पा0 प्रकल्प, डोंगरगांव-ठाणेगांव उ0सिं0यो0, कुरL◌ाोड़ा तालुका की येंगलखेड़ा ल0पा0 प्रकल्प, चामोर्शी तालुका की हल्दीमास उ0सिं0यो0, तळोधी (मोकासा) उ0सिं0यो0, पिपरी रीठ ल0पा0 प्रकल्प, गणपुर उपसा सिंचन योजना, कढोली उ0सिं0यो0, अनखोड़ा उ0सिं0यो0, पोहार नाला प्रकल्प, गड़चिरोली तालुका की कोटगल उ0सिं0यो0, कोटगल बैरेज, अहेरी तालुका की महागांव गर्रा उ0सिं0यो0, देवलमारी उ0सिं0यो0, सिरोचा तालुका की रेंगुंठा उ0सिं0यो0, धानोरा तालुका की पुलखल ल0पा0यो0 केन्द्र सरकार के पास वन संरक्षण अधिनियम के अधीन क्लियरेंस न मिलने के कारण स्वीकृति हेतु लंबित है, जिसकी वजह से गड़चिरोली जिले का आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र, जो पूरी तरह से खेती पर ही आश्रित है, में आदिवासी किसान अपनी खेती को पानी के अभाव में सिंचित न कर पाने की वजह से बेकारी की स्थिति में है।

मेरा सरकार से अनुरोध है कि वह गड़चिरोली आदिवासी जिले की उपर्युक्त सभी परियोजनाओं को शीघ्र स्वीकृति प्रदान करके नक्सलवाद से प्रभावित क्षेत्रों को भूमि सिंचन हेतु पानी उपलब्ध करवाए, जिससे नक्सलवाद से प्रभावित व्यक्ति इन परियोजनाओं से लाभान्वित होकर राष्ट्र की मुख्य धारा से जुड़ सकें।